Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept. of Political science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani (LNMU)

Class - B.A - 3 (H)
Paper - V

Topic — लोक प्रशासन का क्षेत्र

Lecture - 1.

लोकप्रशासन का क्षेत्र तथा पहचान एक शैक्षिक अध्ययन शास्त्र एवं क्रियाशील सरकार दोनों ही रूप में सदैव से विवाद के विषय रहे हैं। परिवर्तन के इस काल में लोक प्रशासन जैसे गतिशील विषय का क्षेत्र निश्चित करना बहुत कठिन कार्य है। इसके अध्ययन - क्षेत्र के बारे में विद्वानों में बहुत मतभेद है। लोक प्रशासन के क्षेत्र के सम्बन्ध में मूल रूप से चार दृष्टिकोण प्रचलित है —

1. व्यापक दृष्टिकोण
2. संकुचित दृष्टिकोण
3. पोस्टकोर्ब दृष्टिकोण
4. लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण

(1.) व्यापक दृष्टिकोण — इस दृष्टिकोण को एल डी. व्हाइट, मार्क्स, विलोबी, गिग्नो जैसे विद्वानों ने अपनाया है। इस दृष्टिकोण के अनुसार लोक प्रशासन सरकार के तीनों अंगों — कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका से सम्बन्धित है। इसके अनुसार लोकप्रशासन के क्षेत्र में वे सभी क्रियाकलाप सम्मिलित है जिसका प्रयोजन लोक नीति को पूरा करना तथा क्रियान्वित करना होता है।

Scanned with CamScanner

लोक प्रशासन के विषय-क्षेत्र के बारे में निग्रो की व्याख्या अधिक व्यापक है क्योंकि उसमें अन्य सभी अंगों के अलावा लोक प्रशासन तथा राजनीतिक व सामाजिक प्रणाली के आपसी सम्बन्ध को भी सम्मिलित किया गया है। निग्रो ने लोक प्रशासन की व्याख्या इस प्रकार की है—

(i) लोक प्रशासन लोक समाज में सहयोगी एवं सामूहिक प्रयास है।

(ii) लोक प्रशासन में कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका और इन तीनों के परस्पर सम्बन्ध शामिल है।

(iii) लोक प्रशासन की लोकनीति की रचना में प्रमुख भूमिका है और इस प्रकार यह राजनीतिक प्रक्रिया का अंग है।

(iv) लोक प्रशासन समाज की सेवा करने के क्रम में निजी समूहों और व्यक्तियों से घनिष्ठ रूप से जुड़ा है।

नीति निर्धारण आज के लोक प्रशासन का अभिन्न अंग है। अतः आज के युग में नीति और प्रशासन अलग - अलग नहीं है। परन्तु अनेक विद्वानों के अनुसार व्यापक अर्थ में लोक प्रशासन का अध्ययन अव्यवहारिक है, क्योंकि ऐसा करने से लोकप्रशासन का क्षेत्र अस्पष्ट हो जाता है।

(2) संकुचित दृष्टिकोण — लूथर गुलिक, साइमन जैसे विद्वानों ने लोक प्रशासन के क्षेत्र के सम्बंध में

संकुचित दृष्टिकोण अपनाया है। उसके अनुसार लोक प्रशासन का सम्बन्ध शासन की केवल कार्यपालिका शाखा से है। साइमन के अनुसार, "लोक प्रशासन से अभिप्राय उन क्रियाओं से है जो केन्द्र, राज्य तथा स्थानीय सरकारों की कार्यपालिका शाखाओं द्वारा सम्पादित की जाती है।"

इस दृष्टिकोण के अनुसार लोक प्रशासन के क्षेत्र में निम्नलिखित बातें आती हैं—

(1) लोक प्रशासन में कार्यरत कार्यपालिका का अध्ययन किया जाता है। लोक प्रशासन कार्यपालिका की उन समस्त असैनिक क्रियाओं से सम्बन्धित रहता है जो निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए की जाती है।

(2) लोक प्रशासन सामान्य प्रशासन की सभी समस्याओं से संबंधित रहता है। उसके क्षेत्र में प्रशासनिक नीतियां, लक्ष्य निर्धारण, प्रशासन के ऊपर निर्देशन, निरीक्षण तथा नियंत्रण आदि शामिल है।

(3) लोक प्रशासन इसका भी अध्ययन करता है कि विभिन्न प्रशासकीय क्रियाओं को सुचारु रूप से सम्पन्न करने के लिए सेवाएं किस प्रकार संगठित की जायें।

(4) लोक प्रशासन के क्षेत्र में पदाधिकारियों की भर्ती, प्रशिक्षण, सेवाओं की दशा, अनुशासन, कर्मचारी संघ आदि समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(v) लोक प्रशासन के अन्तर्गत विविध सामग्री की खरीदारी, उसे स्टोर करना और कार्य करने के यंत्र तथा साज-सज्जा आदि समस्याएं भी सम्मिलित है।

(vi) लोक प्रशासन के अन्तर्गत वित्त संबंधी समस्याओं का भी अध्ययन शामिल है।

Khushbu Kumari
28th July 2020

Scanned with CamScanner